# ४. ऐच्छिक उपक्रम

## (अ) उत्पादक क्षेत्र

### (१) क्षेत्र : अन्न

#### १.१ पिछवाड़े में बागबानी

विभिन्न सब्जियाँ और फलों के नाम पहचानना

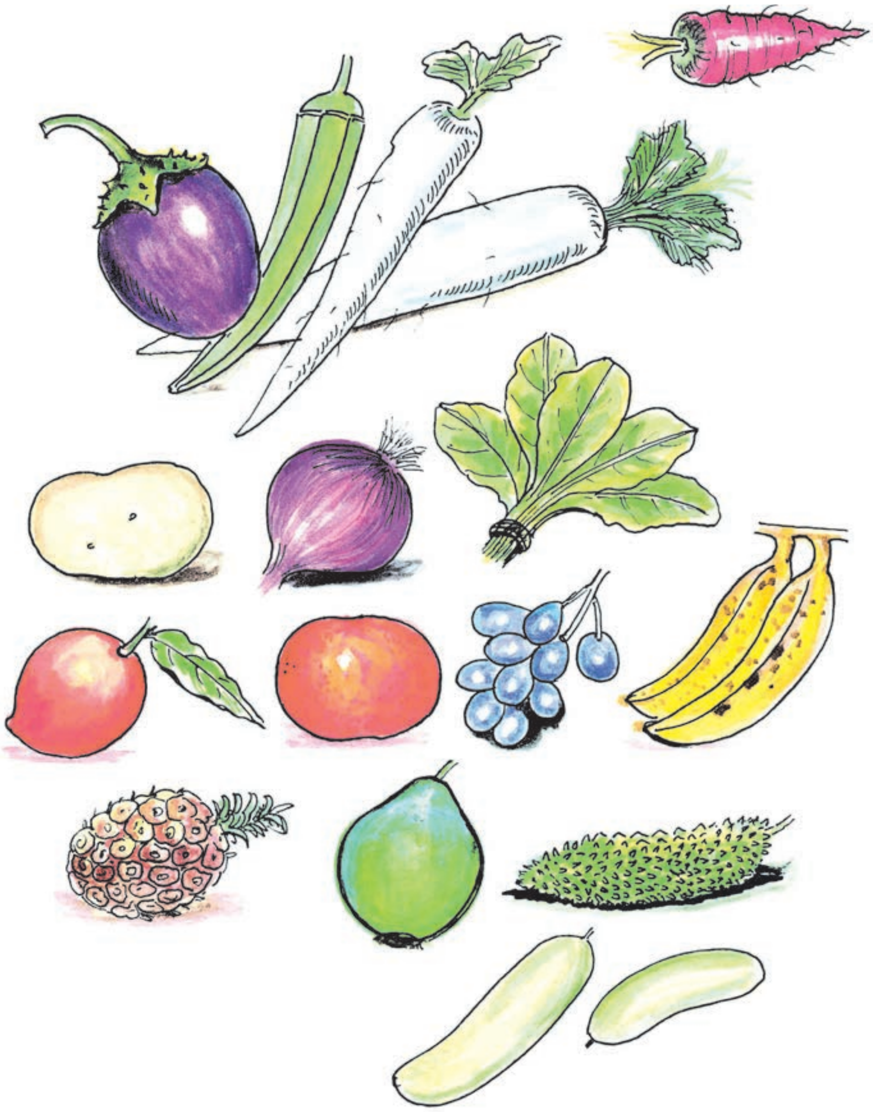

**मेरी कृति**

सब्जियाँ तथा फलों के चित्र और फलों के बीज इकठ्ठा करना।

विभिन्न रंगों के चित्रों से सब्जियाँ और फलों का परिचय कराएँ। फलों के बीजों को संग्रहीत कराएँ।

## १.२ गमलों में रोपण

### विभिन्न आकार के गमलों का परिचय

### मेरी कृति

विभिन्न आकारों के चित्र जमा करके चिपकाना।

गमलों के आकारानुसार उनके नाम विद्‌यार्थियों को समझाएँ। रंगीन चित्र, वीड़ियो का उपयोग करें।

## १.३ गमलों के आकार और पौधों का परिचय

गमलों में सब्जियाँ और पुष्प वृक्षों का रोपण

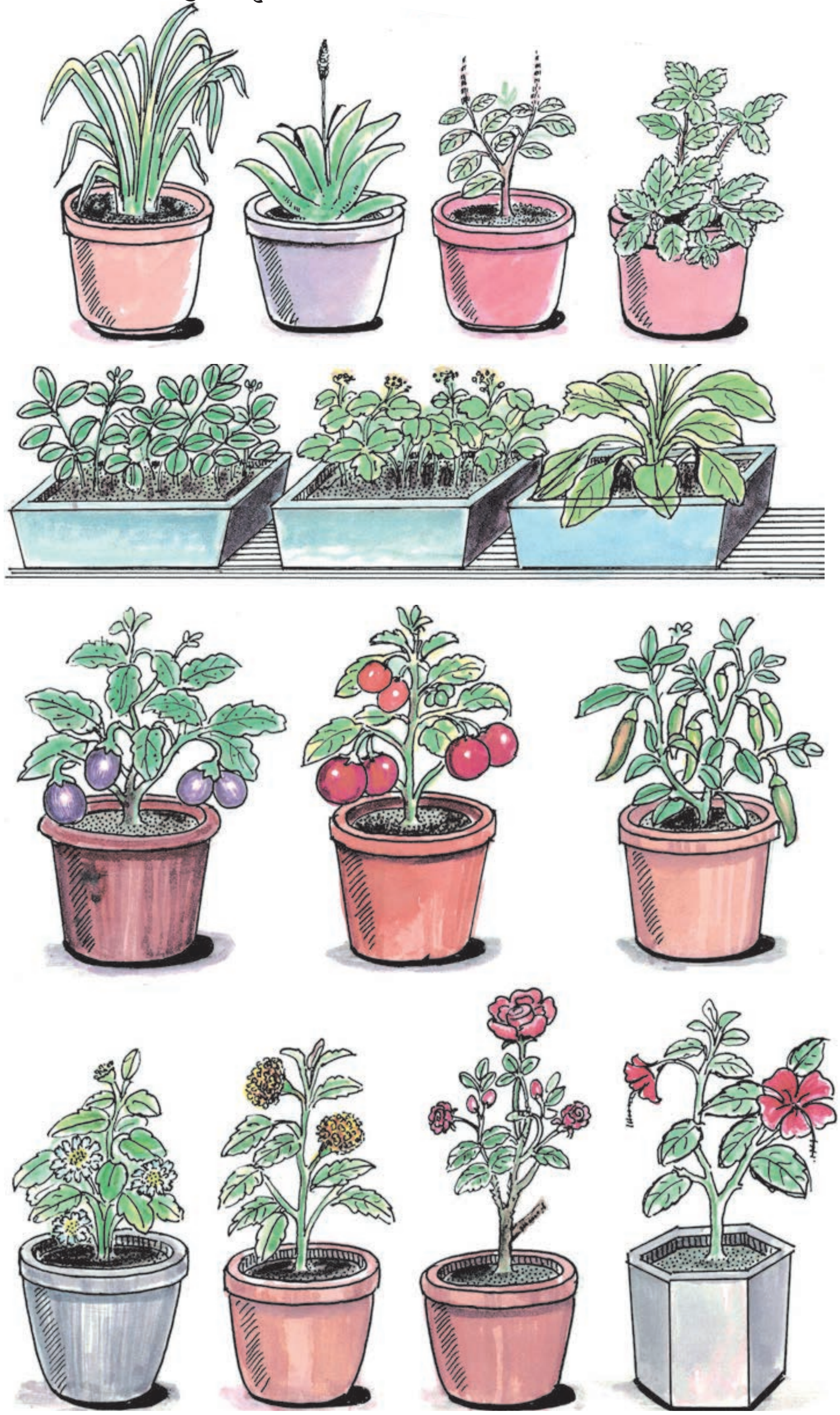

फल-सब्जियाँ, हरी सब्जियों, पुष्प वृक्षों के गमलों में रोपण के चित्र दिखाएँ। बिंदुओं को जोड़कर चित्र पूरा करवा लें।

## १.४ फल प्रक्रिया

### (अ) फल मंडी की सैर-चित्र गपशप

## मेरी कृति

**चित्र रंगाए।**

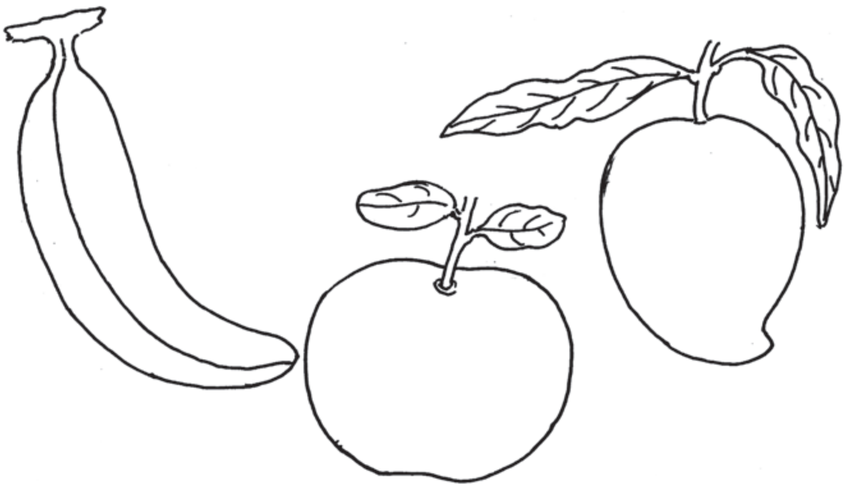

विद्यार्थियों को चित्रों के सहारे वर्णन करने के लिए कहें। चित्रों को रँगकर पूर्ण करने के लिए कहें।

## (ब) चित्रों द्‌वारा फलों को पहचानना

## मेरी कृति

फलों के चित्र निकाले, उन्हें रँगे।

विद्‌यार्थियों को फलों के चित्र देखने दें। चित्र पहचानो ऐसा खेल खेलने दें।

## १.५ मछली व्यापार

### (अ) जलचर प्राणियों की पहचान

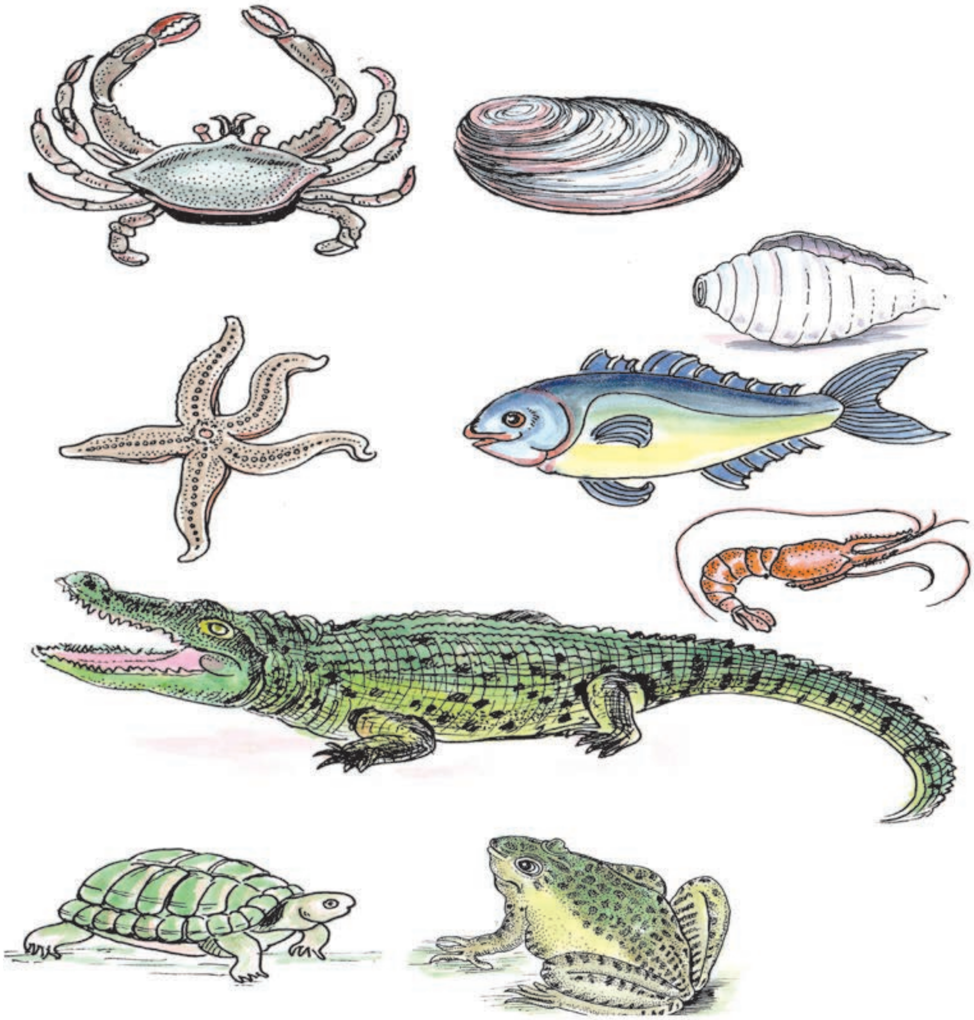

## मेरी कृति

मछली के विभिन्न अंगों को पहचानना।

विद्यार्थियों को पानी में रहने वाले प्राणियों का चित्रों द्‌वारा परिचय कराएँ। मछलियों के विभिन्न अंग पहचानने के लिए कहें।

## (२) क्षेत्र : वस्त्र

## २.१ वस्त्र निर्माण

### कपड़े के बारे में संवाद

**चिंटू की कहानी (चित्रकथा)**

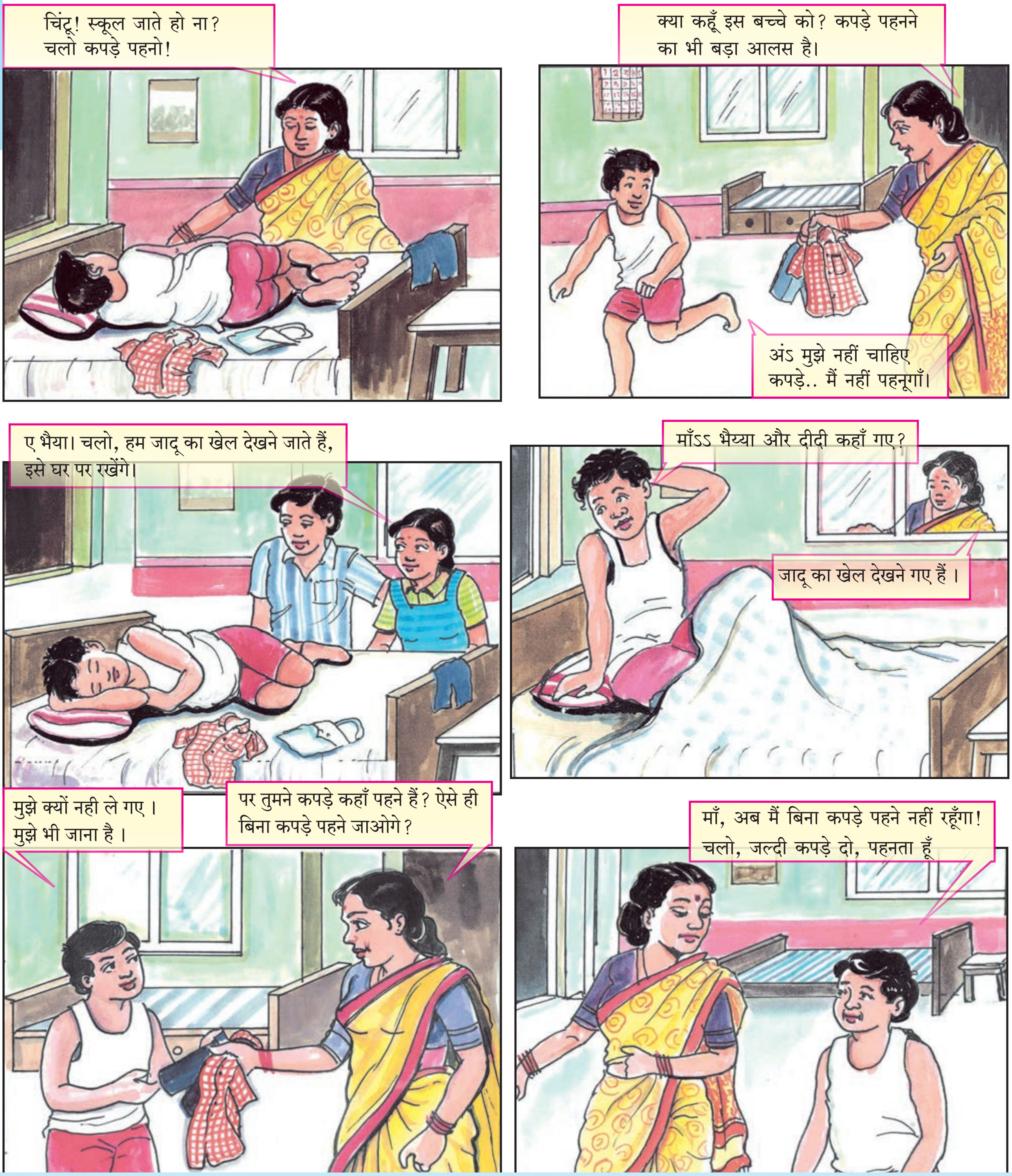


चित्र में कपड़ो को लेकर दिए गए संवादों को अभिनय के साथ कहलवाएँ।

## मेरी कृति

कपास के पौधों को योग्य क्रम दो।

कपास के पत्ते

कपास के फूल

बिनौला

चित्रों का क्रम योग्य पद्धति से जोड़ें।

## २.२ प्राथमिक सिलाई काम

मौसम और कपड़े

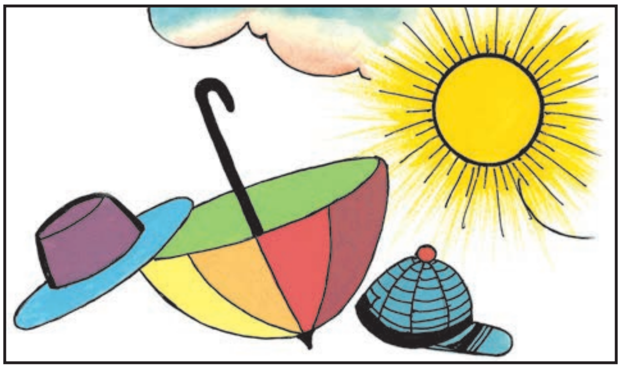

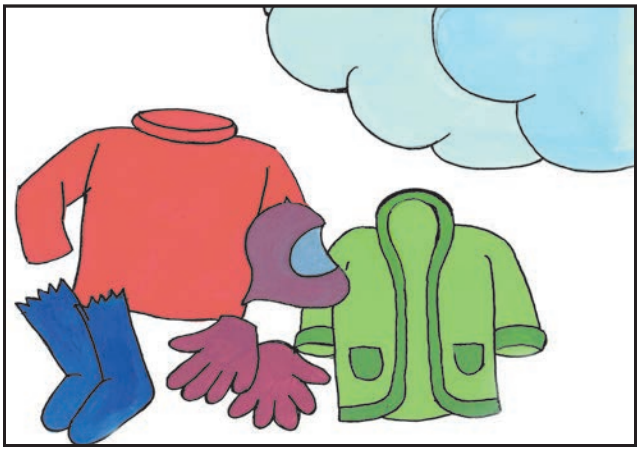

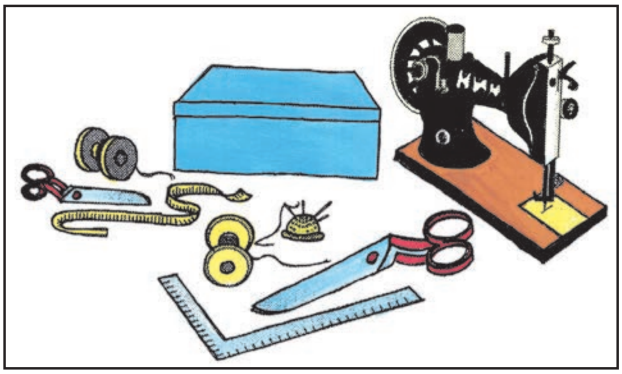

सिलाई काम से संबंधित साधन

## मेरी कृति

सुई, बटन और धागे का चित्र बनाओ।

विद्यार्थियों को मौसम और कपड़ों के चित्र दिखाकर कपड़ों की पहचान कराएँ। कपड़े सिलाने के लिए आवश्यक साधनों का परिचय कराएँ। मुलायम, रूखे ऐसे विभिन्न कपड़ों के टुकड़ों का संग्रह करके चिपकवाएँ।

## कपड़ों के विभिन्न भाग

जोड़ी मिलाओ।

## मेरी कृति

रंग और रंगीन धागों की जोड़ियाँ मिलाओ।

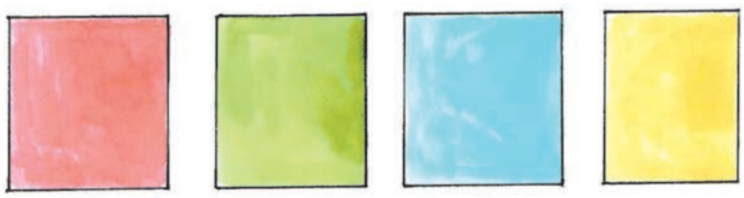

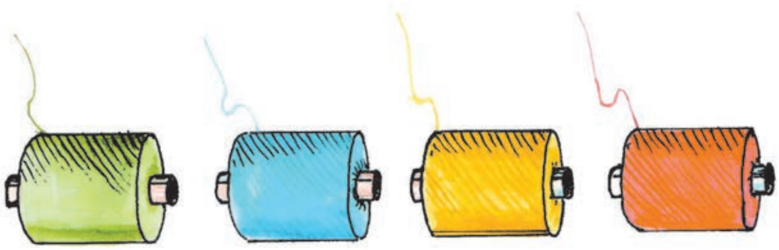

पेंसिल से कपड़े और उनके भागों की जोड़ियाँ मिलाने के लिए कहें। रंग और धागों की गठरी/बंड़ल को एक दूसरे से सही ढ़ंग से जुड़वा लें।

## २.३ गुड़िया काम

चित्र और कागज के गत्ते से गुड़िया बनाना।

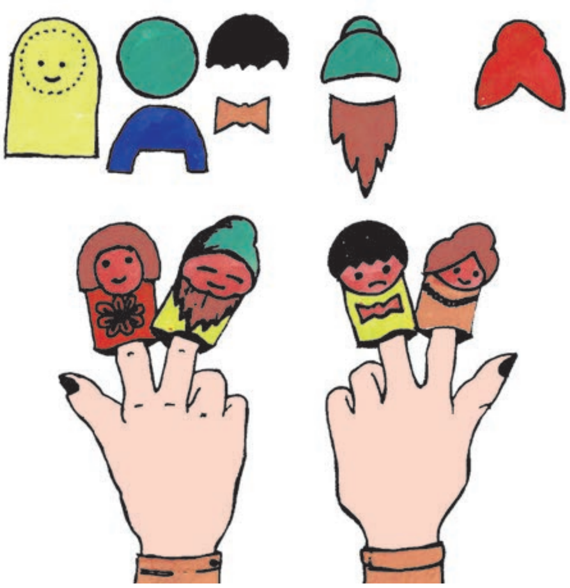

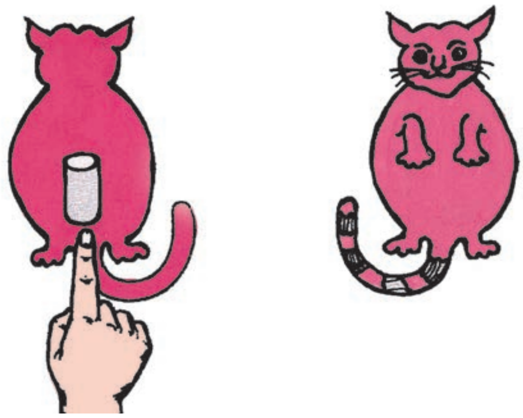

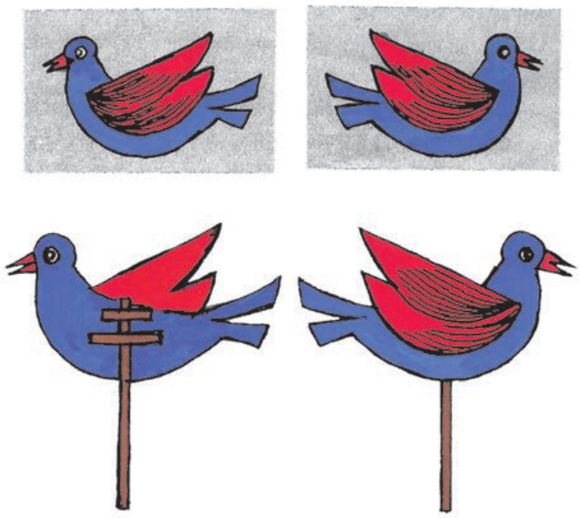

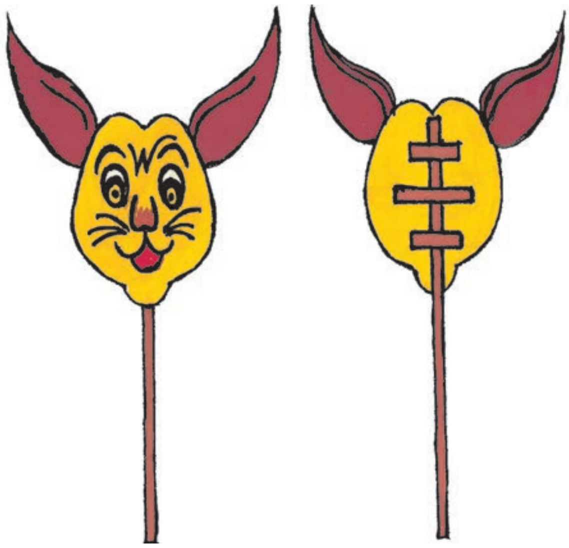

## मेरी कृति

समाचारपत्रों, पत्रिकाओं में छपे रंगीन चित्र इकट्ठे करके उनसे अंगूठा वाली गुड़िया बनाओ।

अंगूठावाली गुड़िया बनाने की विधि तथा कठपुतलीवाली गुड़िया बनाने की पद्धति बताएँ और कठपुतलीवाली गुड़िया बनाओ।

## २.४ कोइर से बुनाई काम

नारियल के पेड़ के विभिन्न भागों का और उनसे बनाई जाने वाली वस्तुओं का परिचय।

## मेरी कृति

नारियल के पेड़ का निरीक्षण करके अपने शब्दों में वर्णन करो।

नारियल के पेड़ से बनने वाली विभिन्न वस्तुओं के नाम बताओ।

विद्‌यार्थियों का नारियल के पेड़ के विभिन्न भागों से परिचय कराएँ और उनसे बननेवाली विभिन्न वस्तुओं के चित्र दिखाकर वर्णन करवाएँ।

## ३. क्षेत्र : निवारा

## ३.१ मिट्‌टी का काम

### मिट्‌टी का गीत (बड़बड़गीत)

माँ कहतीं–
'बिटवा, बिटवा.. क्या करता है तू?'
बेटा कहता –
'माँ.. मैं आंगन में खेलता हूँ!'
माँ कहतीं–

मिट्‌टी में तू खेलना मत
शरीर सारा गंदलाना मत
बेटा कहता –
अरे...अरे भाई
पीछे क्यों पड़ गई
खेलने दो ना मुझे
काहे जल्दी मचाई

गेंद मिट्‌टी की, बिल्ली मिट्‌टी की
कौआ मिट्‌टी का, चिड़िया मिट्‌टी की
मिट्‌टी का खरगोश बनाता हूँ मैं
पुकारो ना मुझे, खेलता हूँ मैं

### मेरी कृति

गीली मिट्‌टी से गोल, लंबे, चौकोर आकार के छोटे-बड़े मोती तैयार करो।

मिट्‌टी से संबंधित गीतों को संग्रहीत करें और उन्हें विद्यार्थियों से ताल स्वर में कहलवाएँ। गीली मिट्‌टी से विभिन्न आकार बनवाएँ।

## ३.२ बाँस काम और बेंत काम

बाँस और उसके उपयोग

विद्यार्थियों को चित्र के माध्यम से बेंत के पेड़ का परिचय कराएँ। उसके विभिन्न उपयोगों के बारे में पूछें तथा बिंदुओं को जोड़कर चित्र पूर्ण करवाएँ।

## ३.३ फूल के पौधों और सजावटी पेड़ों का रोपण

## मेरी कृति

सूखी फुलों की पखुड़ियों से शुभेच्छा पत्र तैयार कीजिए।

विद्यार्थियों को विभिन्न फूलों की जानकारी देकर चित्र का वर्णन करने के लिए कहें। सूखे फूलों की पंखुड़ियों और पेंसिल का छिलका चिपकाकर सुशोभित करवाएँ।

## (क) अन्य क्षेत्र

## खेती के पूरक व्यवसाय (पशुपक्षी संवर्धन)

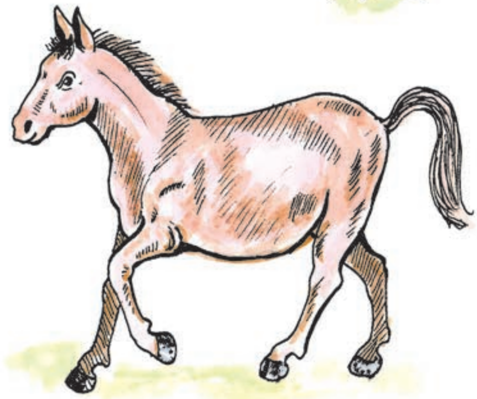

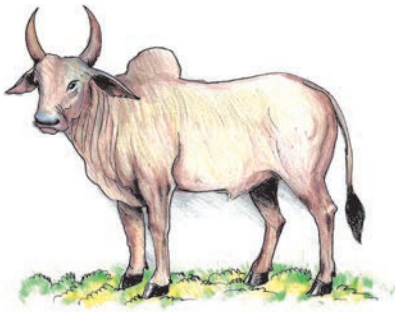

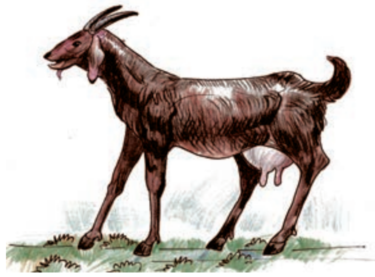

## मेरी कृति

चित्र में निहित पशुओं और पक्षियों की ध्वनियाँ उत्पन्न करो।

बिल्ली

बत्तख

मुरगा

RKJ8WF

विद्यार्थियों का चित्रों द्वारा पशु-पक्षियों का परिचय कराएँ; उनको ध्वनियाँ सुनवाएँ। विद्यार्थियों को पशुओ और पक्षियों की व्यक्तिगत और सामूहिक ध्वनियाँ उत्पन्न करने का अवसर दें।